an>

Title: Need to fill up vacancies for various posts in the Central University of Allahabad.

श्री केशव प्रसाद मौर्य (फूलपुर) : सम्मानित उपाध्यक्ष जी, मैं इलाहाबाद विश्वविद्यालय से संबंधित एक समस्या आपके सामने शून्यकाल के माध्यम से उठाना चाहता हूँ। कभी इलाहाबाद विश्वविद्यालय पूरब का ऑक्सफोर्ड कहा जाता था। आज स्थिति यह है कि वहाँ पर पूर्णकालिक वाइस चांसलर नहीं है। आज 700 गैर शैक्षिक पद और 506 शिक्षक के क्षेत्र के पद यहाँ रिक्त पड़े हुए हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थिति यह रही है कि देश के अंदर लगभग 5000 आई.ए.एस., आई.पी.एस. और प्रथम श्रेणी के अधिकारी यहाँ के छात्र रहे हैं और देश को प्रधान मंत्री देने का काम भी इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने किया है लेकिन आज वहाँ की स्थिति अत्यंत दयनीय है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहता हूं कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में एक पूर्णकालिक वाइस चांसलर मिल जाएं और वहां शिक्षकों के जो रिक्त पद हैं, वे पूर्ण कर लिए जाएं। इससे जो संबद्ध कॉलेजेज हैं, उनमें भी भर्तियों पर रोक होने के कारण कई ऐसे विभाग हैं, जहां शिक्षक ही नहीं हैं। वहां छात्रावासों की स्थिति इतनी जर्ज़र है कि वहां रहना निश्चित तौर पर एक खतरे की घंटी जैसा है।

माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं आज आपके माध्यम से इलाहाबाद विश्वविद्यालय के लिए निवेदन करना चाहता हूं, क्योंकि इलाहाबाद में लगभग तीन लाख की संख्या में छात्र रहते हैं। वह उत्तर भारत का केन्द्र है। वह शिक्षा का स्वर्ग है, लेकिन आज इलाहाबाद विश्वविद्यालय की दशा बहुत खराब है। पत्राचार विभाग के कर्मचारी, जो विश्वविद्यालय के अंदर कार्यरत थे, उन्हें नियमित न किए जाने के कारण वे भुखमरी के कगार पर हैं। मैं सरकार से इस पर कार्रवाई की मांग करता हूं।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Bhairon Prasad Mishra, Shri Sharad Tripathi are permitted to associate with the issue raised by Shri Keshav Prasad Maurya.